# मास्टर दाता बन
# सर्व खज़ाने सफल करो तो सफलता है ही

आज विशेष विदेश का समाचार ले वतन में पहुंची तो आज क्या देखा, बापदादा सामने खड़े हैं और बापदादा के नयनों से भ्रकुटी से भिन्न-

भिन्न शक्तियों की किरणें निकल विश्व के चारों ओर लाइट हाउस समान फैल रही हैं। मैं भी बाप समान शक्तिशाली स्थिति का अनुभव करते हुए नजदीक पहुंच गयी। कुछ समय तो उसी अनुभव में लवलीन थी, उसके बाद बाबा बोले, बच्ची क्या देख रही हो? बापदादा को अपने अन्जान भोले बच्चों, कमजोर बच्चों पर कितना प्यार है कि कुछ न कुछ अंचली द्वारा भी बच्चों का कल्याण हो जाए। आप बच्चों को भी बापदादा ने बाप समान विश्व कल्याण करने की स्थिति की सीट दी है क्योंकि आप बच्चे भी बाप के साथी विश्व कल्याणकारी हो। आपका तो संगमयुग का आक्युपेशन ही विश्व कल्याण करना है और जानती हो स्व-कल्याण उस सेवा में समाया हुआ है। उसके बाद बाबा बोले बच्ची, क्या समाचार लाई हो। मैं बोली बाबा आज मोहिनी बहन, गायत्री बहन, उनके साथी और साथ में जानकी दादी, जयन्ती बहन ने बहुत अच्छी खुशखबरी सुनाई है और सेवा की सफलता से बहुत खुश हैं कि बापदादा ने जो इशारा दिया है कि स्नेही सम्पर्क वाली आत्माओं को आगे बढ़ाने लिए प्रोग्राम रख समीप लाओ और सेवा के निमित्त बनाओ, माइक बनाओ। इस लक्ष्य से उन्होंने चारों ओर जहाँ भी काल आफ टाइम का प्रोग्राम किया है उन सब आई.पी. को विशेष ज्ञान योग की पालना देने अर्थ स्पष्ट निमन्त्रण दिया, रिजल्ट में 35 आत्मायें आई और निजी ज्ञान आत्मा, परमात्मा की अनुभूति पर ही कोर्स कराया, देखा गया कि सबने बहुत अच्छे अनुभव किये और खुद ही सेवा की भी आफर की, प्लैन बनाये हैं। सभी बहुत खुश थे कि ऐसे ही निमित्त माइक बन जायेंगे। बापदादा सुनकर बहुत मीठा मुस्कराते बोले, बच्चों ने हिम्मत और अथक बन इस प्रोजेक्ट को उठाया है तो हिम्मत हुल्लास का फल सदा अच्छे ते अच्छा होता ही है। बापदादा निमित्त बच्चों की विशेषता पर दिल की दुआयें दे रहे हैं। भल बीच-बीच में कई बातें भी आई लेकिन सफलता प्राप्त कर ही ली, वाह बच्चे वाह! मोहिनी बच्ची की यह विशेषता है कि जिस कार्य के निमित्त बनेंगी वह सफलता पूर्वक सम्पन्न करती है क्योंकि बचपन से ही सफलता का वरदान

है। साथ में गायत्री बच्ची और साथियों का भी बाप से जिगरी प्यार है इसलिए प्यार की पालना का इन बच्चों को सहयोग गुप्त मिलता रहता है। जयन्ती बच्ची का भी सहयोग बहुत दिल से अच्छा रहा है। यह तो साकार ब्रह्मा बाप की जन्म से ही सिकीलधी है और सेवा का वरदान है। बापदादा सभी सेवा के निमित्त बच्चों को एक एक को नाम सहित पद्मगुणा मुबारक दे रहे हैं। साथ में रिट्रीट हाउस के निमित्त बने हुए बच्चों को भी याद दे रहे हैं कि हर एक ग्रुप को बहुत स्नेह से रिफ्रेश और खुश कर देते हैं। नाम निमित्त मंदा का ले रहे हैं लेकिन बापदादा जानते हैं हर बहन और हर पाण्डव बहुत अच्छी सेवा की रिजल्ट निकाल रहे हैं। बापदादा बहुत खुश हैं।

बापदादा अब समय अनुसार यही चारों ओर के बच्चों को कहते हैं कि बहुत समय से जो सेवा की है उन बिखरी हुई सेवा को अब ग्रुप में लाकर, स्नेह सम्पर्क वाली आत्माओं का आगे संगठन इकट्ठा कर समीप में लाओ। भल किसी भी वर्ग के हों लेकिन निर्णय कर, नब्ज को पहचान संगठन कर उन्हों को आगे बढ़ाओ तो सेवा की रिजल्ट स्पष्ट हो जाए और सेवा के सहयोगी बन जाएं। हर एक बच्चा सेवा बहुत कर रहे हैं, लेकिन अब सेवा का माखन निकालो। ग्रुप तैयार करो उनसे ही माइक वा वारिस निकाल सकेंगे। बापदादा ने तो इस वर्ष को सफल करो और सफलता है ही का वरदान दिया है, तो आप बच्चों के खज़ाने 1- श्रेष्ठ संकल्प 2- समय 3- शक्तियां 4- गुण 5- ज्ञान विशेष है, इन्हों को मास्टर दाता बन सफल करो तो सफलता का अनुभव स्व प्रति वा सेवा में स्वत: सहज होगा। इससे ही 1- स्वयं को निर्विघ्न बनने का अनुभव करेंगे। 2- मन-बुद्धि बिज़ी रहने से छोटी मोटी बातों से मुक्त होंगे। 3- दूसरों प्रति देने से पुण्य का खाता जमा होगा। वर्तमान और भविष्य दोनों फायदा है। इसलिए इस सेवा से अपने को मास्टर दाता बाप समान आत्मा प्रत्यक्ष अनुभव करेंगे और अपने को प्रत्यक्ष करने से ही बाप को प्रत्यक्ष करने में सहज सफल होंगे।

ऐसे कहते बापदादा ने चारों ओर के डबल विदेशी बच्चों को बहुत प्यार

से, दिल के दुलार से याद किया और बोले देखो मेरे बच्चे डबल सेवा करते लौकिक जॉब और रूहानी सेवा में कितनी हिम्मत हुल्लास से मायावी वायुमण्डल में भी न्यारे और बाप के प्यारे बन आगे बढ़ रहे हैं। बापदादा रोज़ अमृतवेले सभी डबल विदेशी बच्चों को वरदान देते हैं कि सदा विजयी भव, स्वराज्य अधिकारी भव, भविष्य राज्य अधिकारी भव। सभी बच्चों को नाम और विशेषता सहित बापदादा का बहुत-बहुत-बहुत प्यार और दिल का दुलार देना। ऐसे कहते हमें साकार वतन में भेज दिया। ओम् शान्ति।